

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i) प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 207] No. 207] नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 15, 2011/चैत्र 25, 1933 NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 15, 2011/CHAITRA 25, 1933

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विधाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 2011

सं. 34/2011-सीमा-शुल्क

सा.का.नि. 321(अ),—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 21/2002-सीमा-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2002, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में सा.का.नि. 118(अ), तारीख 1 मार्च, 2002 द्वारा प्रकाशित किया गया था, में निम्नलिखित और संशोधन करती है यथा :—

उक्त अधिसूचना में,--

- (i) प्रस्तावना में, परंतुक में, खंड(ट) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंत:स्थापित किया जायेगा, अर्थात्
 - "(झ) उक्त सारणी में क्रम सं. 37च, 37छ, 37ज, के सामने विनिर्दिष्ट माल या 1 जुलाई, 2011 के पश्चात्"
- (ii) सारणी में, क्रम सं. 37ड़ और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित क्रम सं. और प्रविष्टियां अंत: स्थापित की जायेंगी, अर्थात् :---

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
"37च.	1701	र्रो शुगर	कुछ नहीं	_	5ছ
37छ.	1701 92 00 या 1701 99 90	रिफाइंड या सफेद शुगर	कुछ नहीं	-	5জ
37জ.	1701	यदि रॉ शुगर थोक उपभोक्ता द्वारा आयातित है	कुछ नहीं	-	5ল"

(iii) अनुबंध में, शर्त सं. 5 और उससे संबोंधत प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित शर्त अंत: स्थापित की जायेंगी, अर्थात्

शर्त सं. शर्त

"5छ (क) यदि शुगर फैक्टरी या शुगर रिफाइनरी द्वारा आयात की गई हो ।

स्पष्टीकरण,-इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए-

- (i) "शुगर फैक्ट्री" का वही अर्थ है जो धारा 2 (ग) शुगरकेन (कंट्रोल) आदेश, 1966 के अंतर्गत है।
- (ii) "शुगर रिफाइनरी" यानी वह यूनिट जो रॉ शुगर से रिफाइंड शुगर बनाती हो ।
- (ख) यदि उपरोक्त (क) के अलावा कोई अन्य व्यक्ति आयात करता हो :
 - (i) आयातकर्ता उपायुक्त या सहायक आयुक्त सीमा-शुल्क, के समक्ष शुगर फैक्ट्री या शुगर रिफाइनरी के साथ किया गया एग्रीमेंट या कांट्रेक्ट प्रस्तुत करेगा तथा एक बान्ड भी देगा यह करतें हुए कि आयातित रॉ परिष्कृत करेगा;
 - (ii) उपायुक्त या सहायक आयुक्त सीमा-शुल्क, आयातकर्ता को बान्ड से मुक्त कर देगा यदि आयातकर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारियों द्वारा आयातित तारीख से तीन माह के भीतर प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेगा जो यह प्रमाणित करे कि सारी मात्रा की आयातित रॉ शुगर परिष्कृत कर दी गई है;
 - (iii) यदि उपरोक्त शर्तों का अनुपालन नहीं होता तो आयातकर्ता उस मात्रा की रॉ शुगर जो परिष्कृत नहीं की गई है पर लागू शुल्क अदा करेगा.";
- "5ज. यदि आयातकर्ता उपायुक्त या सहायक आयुक्त सीमा-शुल्क के समक्ष यह प्रमाण प्रस्तुत करता है कि उसके पास जो आयात करने का कांट्रेक्ट वह एग्रीकल्चरल एण्ड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्टस एक्सपोर्ट डेक्लेपमेंट ऑथोरिटी (एपीइडीए) के साथ रजिस्टर्ड है ।".
- "5झ. यदि आयातकर्ता, आयात के समय, थोक उपभोक्ता होने का चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करता है। स्पष्टीकरण : इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए,--
 - (i) थोक उपभोक्ता एक व्यक्ति, स्थापना या औद्योगिक इकाई है जो बिक्री के सिवाय उत्पादन या खपत या उपयोग के लिए कच्चे माल के रूप में प्रति माह दस क्विटल से अधिक का उपयोग कंरता हो ।
 - (ii) उपरोक्त प्रमाण-पत्र किसी चार्टर्ड एकाउटेंट द्वारा ऐसे व्यक्ति, स्थापन या इकाई के पिछले बारह महीने में चीनी के मासिक उपयोग या खपत पर विचार करने के पश्चात जारी किया जाएगा; और
 - (iii) चार्टर्ड एकाउंटेंट का अर्थ वही होगा जो चार्टर्ड एकाउंटेंट अधिनियम, 1949 की धारा 2 की उपधारा (1) के खंड (ख) में है ।

[फा. सं. 354/78/2009-टीआरयू पार्ट I]

संजीव कुमार सिंह, अवर सचिव

टिप्पण: मूल अधिसूचना 21/2002-सीमाशुल्क तारीख 1 मार्च, 2002 जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में सा.का.नि. 118(अ), तारीख 1 मार्च, 2002 द्वारा प्रकाशित की गई थी और उसमें अंतिम संशोधन अधिसूचना सं. 31/2011-सीमाशुल्क तारीख 24 मार्च, 2011 सा.का.नि. 249(अ),तारीख 24 मार्च, 2011 द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित की गई थी, के द्वारा किया गया था।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue) NOTIFICATION

New Delhi, the 15th April, 2011

No. 34/2011-Customs

GS.R. 321(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, on being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 21/2002-Customs, dated the 1st March, 2002, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) vide number GS.R. 118(E) dated the 1st March, 2002, namely:—

In the said notification,—

- (i) in the preamble, in the proviso, after clause (k), the following clause shall be inserted, namely:—
 "(1) the goods specified against S.Nos. 37F, 37G, 37H of the said Table on or after the 1st day of July, 2011"
- (ii) in the Table, after S. No. 37E and the entries relating thereto, the following S. Nos. and entries shall be inserted, namely:—

(iii) in the Annexure, after condition No. 5 and the entries relating thereto, the following conditions shall be inserted, namely:—

Nil

Condition No.

1701

37H.

Conditions

5G (a) If imported by a sugar factory or a sugar refinery.

bulk consumer

Explanation.—For the purpose of this notification—

Raw sugar if imported by a

- (i) "sugar factory" shall have the same meaning as assigned to it in Section 2(c) of the Sugarcane (Control) Order, 1966;
- (ii) "sugar refinery" means a unit which is engaged in the manufacture of refined sugar starting from the stage of raw sugar".
- (b) If imported by any person other than at (a) above:
- (i) the importer shall produce to the Deputy Commissioner of Customs or the Assistant Commissioner of Customs, as the case may be, a valid contract, or agreement with a sugar factory or sugar refinery for refining of such raw sugar and shall furnish a bond to the effect that the said raw sugar shall be used for the said purpose;
- (ii) the bond shall be discharged by the Deputy Commissioner of Customs or the Assistant Commissioner of Customs, as the case may be, on production of a certificate from the Central Excise authorities having jurisdiction over such sugar factory within a period of three months from the date of import of such raw sugar that the entire quantity of imported raw sugar has been refined; and
- (iii) in the event of his failure to comply with the above conditions, the importer shall be liable to pay, in respect of such quantity of the raw sugar as is not proven to have been refined, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity but for the exemption contained herein.";
- 5H If the importer produces before the Deputy Commissioner of Customs or the Assistant Commissioner of Customs, as the case may be, a proof to show that the contract for import of such sugar is duly registered with Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority (APEDA)".
- If the importer, at the time of import, produces a certificate from a Chartered Accountant to the effect that the importer is a bulk consumer.

Explanation.—For the purpose of this notification,—

- (i) bulk consumer is a person, establishment or industrial unit using or consuming more than ten quintals of sugar per month as a raw material for production or consumption or use in any manner other than sale.
- (ii) the said certificate shall be issued by the Chartered Accountant after taking into account monthly use or consumption of sugar by such person, establishment or unit in the last twelve months; and
- (iii) "Chartered Accountant" shall have the same meaning as assigned to it in clause (b) of sub-section (1) of Section 2 of the Chartered Accountant Act, 1949.

[F. No. 354/78/2009-TRU Pt. I]

51"

SANJEEV KUMAR SINGH, Under Secy.

Note.—The principal notification No. 21/2002-Customs, dated the 1st March, 2002, was published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) vide number G.S.R. 118(E), dated the 1st March, 2002 and was last amended by notification No. 31/2011-Customs, dated the 24th March, 2011 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) vide number G.S.R.249(E), dated the 24th March, 2011.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 2011

सं. 35/2011-सीमा-शुल्क

सा.का.नि. 322(अ).—सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, एतद्द्वारा सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 31 के अंतर्गत आने वाले सभी माल जो स्पष्ट रूप से उर्वरकों के रूप में उपयोग नहीं हो रहे हैं के सिवाय, जब उनका भारत में आयात हो, उक्त सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (1) के अंतर्गत उन पर उद्ग्रहणीय अतिरिक्त सीमा-शुल्क की उतनी राशि से मुक्त करती है जो 1% यथा मूल्य दर पर परिकलित राशि से अधिक है।

[फा. सं. 354/35/2011-टीआरयू] संजीव कुमार सिंह, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th April, 2011 No. 35/2011-Customs

G. S. R. 322(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, on being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts all goods, other than those which are clearly not to be used as fertilisers, falling under chapter 31 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India, from so much of the additional duty of customs leviable thereon under sub-section (1) of Section 3 of the said Customs Tarrif Act as is in excess of 1% ad valorem.

[F. No. 354/35/2011-TRU] SANJEEV KUMAR SINGH, Under Secy.

CORRIGENDUM

New Delhi, the 15th April, 2011

GS.R. 323(E).—In the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 10/2011-Customs, dated the 16th February, 2011 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) *vide* number GS.R. 95(E), dated the 16th February, 2011, in column no. 2 of the table for the numbers "8446.29.00" read "8446.29.90" and in Para 2, for the words "China PR and Israel" read "China PR and Austria".

[F. No. 354/31/2010-TRU]

SANJEEV KUMAR SINGH, Under Secy.